Regarding request for Government intervention in the issue of large scale flight cancellations

श्री जगदम्बिका पाल **(डुमरियागंज) :** सभापति जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार आज तत काल हस्तक्षेप करें । जब लोक सभा का सत्र होता है, तब सभी पार्लियामेंट के मेंबर सोमवार से शुक्रवार तक सदन में रहते हैं । शनिवार और रविवार को सबके क्षेत्रों में कार्यक्रम लगे रहते हैं । कल हमारे यहां भी दिव्यांग शिविर लगा हुआ है । किसी को बेंगलुरु जाना है, किसी को चेन्नई, किसी को कोलकाता जाना है । इंडिगो की चार सौ फ्लाइट्स कैंसिल हो गयी हैं । मेरी शाम की फ्लाइट थी, वह भी कैंसिल हो गयी । कल सुबह की फ्लाइट कैंसिल हो गयी । अगर डीजीसीए ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन्स लगाया है, तो यात्रियों की सुरक्षा, उनकी विश्वसनीयता किसकी रहेगी? हम पांच मिनट लेट हो जाते हैं, तो हमारी एयरलाइन्स चली जाती है । आज अगर डीजीसीए ने निगरानी करने के लिए कहा है, तो इंडिगो उसका पालन नहीं कर रही है । पूरे देश में आज चार सौ फ्लाइटें कैंसिल हुई हैं । हम सब लोग कैसे अपने राज्यों में और राज्यों से कॉन्स्टीटुएंसी में जा पायेंगे? फिर सोमवार को दिल्ली कैसे लौटेंगे? इस स्थिति को सामान्य किया जाए । मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि इसमें इस्तक्षेप करके तत्काल जो डीजीसीए ने या नागरिक उड्ययन मंत्रालय ने किया है, उसे रियल टाइम किया जाए और पैसेंजर फर्स्ट फ्रेमवर्क हो । जो टिकट कैंसिल हुए हैं, उसका अलटरनेट अरेन्जमेंट हो या उसका रिफंड हो । यह गंभीर समस्या सिर्फ जगदम्बिका पाल की नहीं, पूरे सदन की है ।